



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|------------|--------------|------|
| दैनिक भास्कर | 20-07-2023 | 2 | 1-3 |

कार्यक्रम • हकृवि में 7 दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर शुरू, 17 प्रदेशों के 200 स्वयंसेवक ले रहे हिस्सा समाज के प्रति दायित्वों और वसुदेव कुटुम्बकम की भावना को अपनाकर कार्य करें स्वयंसेवक : जिंदल

भास्कर न्यूज़ | हिस्सर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत बुधवार को सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर का शुभारंभ हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी पवन जिंदल रहे, जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम में युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, नई दिल्ली से देशराज व राज्य एनएसएस अधिकारी और हरियाणा से डॉ. दिनेश कुमार भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्यअतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर की, जिसके बाद स्वयंसेवकों ने राष्ट्रीय सेवा योजना का गीत गाया। इस शिविर में 17 प्रदेशों के 200 स्वयंसेवक हिस्सा ले रहे हैं।

मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी पवन जिंदल ने अपने संबोधन में कहा कि भारत ऋषि-मुनियों का देश है, जिसकी संस्कृति बलिदान और त्याग से मिलकर बनी है। ऋषि-मुनि व संत जो भगवा रंग के वस्त्र पहनते हैं, वह लाल और पीले रंग से मिलकर बना है और बलिदान व त्याग का परिचायक है। महान विचारक स्वामी दयानंद जैसे महान विभूतियों ने मानवता का पालन कर समाज को सुधारने का काम किया। इस राष्ट्रीय एकता शिविर के माध्यम से स्वयंसेवकों को समाज और स्वयं में सुधार लाने की जरूरत है ताकि हम समाज के प्रति अपने दायित्वों को, वसुदेव कुटुम्बकम की भावना को समझकर समाज के उत्थान में अपना सहयोग दे सकेंगे।



हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय एकता शिविर में संबोधित करते पवन जिंदल ।

एक-दूसरे की संस्कृति के सम्मान से बनेगा मजबूत भारत : प्रो. काम्बोज

कुलपति बी.आर. काम्बोज ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत विषय पर आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर का मुख्य उद्देश्य समाज और स्वयं में सुधार लाना है। स्वयंसेवकों को वसुदेव कुटुम्बकम की भावना को व्यापकता से समझने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि भारत जैसे बड़े लोकतांत्रिक देश को जानने के लिए व अनेकता में एकता के सूत्र को समझने में इस शिविर का अहम योगदान होगा। इस शिविर से विद्यार्थियों में निःस्वार्थ भाव से सेवा करने, समाज में भाईचारा कायम करने व एक-दूसरे की संस्कृति का सम्मान करने का भाव पैदा होगा।

भाषण, वाद-विवाद, ग्रुप डांस, सोलो डांस, रंगोली आदि प्रतियोगिताएं होंगी

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर में आयोजित होने वाली भाषण, कविता, वाद-विवाद, सोलो डांस, स्टागन राईटिंग, ग्रुप डांस, रंगोली आदि प्रतियोगिताओं की रूपरेखा की विस्तृत जानकारी दी। मंच का संचालन स्वयंसेवक अंकित ने किया। इससे पूर्व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस. के. पाहूजा ने सभी का स्वागत किया, जबकि डॉ. चंद्रशेखर डगर ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। इस दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना अवाडी डॉ. भगत सिंह सहित अन्य अधिकारीगण, कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|------------|--------------|------|
| दैनिक जागरण | 20-07-2023 | 1 | 1-4 |

भगवा रंग है त्याग और बलिदान का प्रतीक: पवन जिंदल



एचएयू के कृषि महाविद्यालय सभागार में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाज सेवी पवन जिंदल संबोधित करते हुए। • पीआरओ

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सभागार में बुधवार को सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर शुरू हुआ। इसमें मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी पवन जिंदल रहे, जबकि कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना, नई दिल्ली से देशराज व राज्य एनएसएस अधिकारी डा. दिनेश कुमार भी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि पवन जिंदल ने कहा कि भारत ऋषि-मुनिवों का देश है, जिसकी संस्कृति बलिदान और त्याग से मिलकर बनी है। ऋषि-मुनि व संत जो भगवा रंग के वस्त्र पहनते हैं वह लाल और पीले रंग से मिलकर बना है, जो बलिदान व त्याग के परिचायक है। स्वामी दयानंद जैसे महान विभूतियों ने मानवता का पालन कर समाज को सुधारने का काम किया अर्थात इस राष्ट्रीय एकता शिविर के माध्यम से स्वयंसेवकों को समाज और स्वयं में सुधार लाने की जरूरत है ताकि हम समाज के प्रति अपने दायित्वों को, वसुधैव कुटुंबकम की भावना को व्यापकता तरीके से समझकर समाज के उत्थान में अपना सहयोग दे सकेंगे।

● एचएयू हिसार के सभागार में शुरू हुआ सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर

● कहा- दायित्वों को समझकर दें समाज के उत्थान में अपना योगदान

हकूवि की एनएसएस इकाई की सराहना की युवा अधिकारी देशराज ने कहा कि हकूवि की एनएसएस इकाई द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर किए गए बेहतरीन प्रदर्शन कर रही है। उन्होंने विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं और आत्मनिर्भर भारत में योगदान के लिए सराहना की। डा. दिनेश कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय एकता शिविर एक ऐसा मंच है, जिससे स्वयंसेवकों को सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। छात्र कल्याण निदेशक डा. अतुल ढींगड़ा ने सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर में आयोजित होने वाली भाषण, कविता, वाद-विवाद, सोलो डांस, स्लोमन राईटिंग, ग्रुप डांस, रंगोली आदि प्रतियोगिताओं की रूपरेखा की विस्तृत जानकारी दी। मंच का संचालन स्वयंसेवक अंकित ने किया। इससे पूर्व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. एस के पाहुजा ने सभी का स्वागत किया, जबकि डॉ. चंद्रशेखर डागर ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। इस दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना अवाडी डा. भगत सिंह सहित अन्य अधिकारीगण, कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

भाईचारा व एक-दूसरे की संस्कृति का सम्मान करने से बनेगा मजबूत भारत: प्रो. काम्बोज

कुलपति बीआर काम्बोज ने कहा कि आत्म निर्भर भारत विषय पर आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना का मुख्य उद्देश्य समाज और स्वयं में सुधार लाना है। स्वयंसेवक समाज के प्रति अपने दायित्वों को, वसुधैव कुटुंबकम की भावना को व्यापकता में समझने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि भारत जैसे बड़े लोकतांत्रिक देश को जानने के लिए व अनेकता में एकता के सूत्र को समझने में इस शिविर का अहम योगदान होगा। इस शिविर से विद्यार्थियों में निःस्वार्थ भाव से सेवा करने, समाज में भाईचारा कायम करने व एक-दूसरे की संस्कृति का सम्मान करने का भाव पैदा करती है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|-----------|--------------|------|
| हरिभूमि | 20-7-2023 | 9 | 3-8 |

कार्यक्रम

एचएयू में राष्ट्रीय एकता शिविर का शुभारंभ, 17 प्रदेशों के 200 स्वयंसेवक ले रहे भाग

समाज के प्रति अपने दायित्वों व वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना को अपनाते हुए कार्य करें स्वयंसेवक : जिंदल

हरिभूमि न्यूज | हिंसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर का शुभारंभ हुआ। इसमें वरिष्ठ समाजसेवी पवन जिंदल मुख्यातिथि रहे

■ भारत देश जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर बलिदान काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम में से मिलकर युवा कार्यक्रम और खेल बनी : पवन मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, नई दिल्ली से देशराज व राज्य एनएसएस अधिकारी, हरियाणा डॉ. दिनेश कुमार भी उपस्थित रहे।

मुख्यातिथि पवन जिंदल ने अपने संबोधन में कहा कि भारत देश ऋषि-मुनियों का देश है, जिसकी संस्कृति बलिदान और त्याग से मिलकर बनी है। ऋषि-मुनि व संत जो भगवा रंग के वस्त्र पहनते हैं वह लाल और पीले रंग



हिंसार। राष्ट्रीय एकता शिविर कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्यातिथि वरिष्ठ समाजसेवी पवन जिंदल।

से मिलकर बना है, जो बलिदान व त्याग के परिचायक है। महान विचारक स्वामी दशानंद जैसे महान विभूतियों ने मानवता का पालन कर समाज को सुधारने का काम किया अर्थात इस राष्ट्रीय एकता शिविर के माध्यम से स्वयंसेवकों को समाज और स्वयं में सुधार लाने की जरूरत है ताकि हम समाज के प्रति अपने दायित्वों को, वसुधैव कुटुम्बकम् की

भावना को व्यापकता तरीके से समझकर समाज के उत्थान में अपना सहयोग दे सकेंगे।

उन्होंने बताया कि आज के युवाओं को निःस्वार्थ भाव से सेवा करने, समाज में भाईचारा कायम करने व एक-दूसरे की संस्कृति का सम्मान करने का भाव पैदा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत देश को फिर से विश्व गुरु बनाने की जरूरत है।

समाज और स्वयं में सुधार लाना राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य

पुरनपति बीआर काम्बोज ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत विषय पर आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना का मुख्य उद्देश्य समाज और स्वयं में सुधार लाना है। उन्होंने बताया कि भारत जैसे बड़े लोकतांत्रिक देश को जगहों के लिए व अनेकता में एकता के सूत्र को समाझने में इस शिविर का अहम योगदान होगा। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल दौगड़ा ने सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर में आयोजित होने वाली गायण, कवित्त, वाद-विवाद, जैलें डॉस, स्लोक राईटिंग, ग्रुप डॉस, रंगोली आदि प्रतियोगिताओं की स्पर्धा की विस्तृत जानकारी दी। मंच का संवाहक स्वयंसेवक अक्षित ने किया। इससे पूर्व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. प्रस के प्रास्ताविक में सभी का स्वागत किया, जबकि डॉ. चंद्रशेखर डांगर ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। इस दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना अवाहॉ डॉ. अमल सिंह, डॉ. दिनेश कुमार, युवा अधिकारी देशराज आदि उपस्थित थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|-----------|--------------|------|
| पंजाब केसरी | 20-7-2023 | 4 | 1-5 |

समाज के प्रति अपने दायित्वों व वासुदेव कुंडुम्बकम की भावना को अपनाते हुए कार्य करें स्वयंसेवक: जिंदल



राष्ट्रीय एकता शिविर में मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाज सेवी पवन जिंदल संबोधित करते हुए।

राष्ट्रीय एकता शिविर का सुभारंभ, 17 प्रदेशों के 200 स्वयंसेवक ले रहे हैं भाग

हिसार, 19 जुलाई (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आज 7 दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर का शुभारंभ हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी पवन जिंदल रहे, जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम में युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, नई दिल्ली से देशराज व राज्य एन.एस.एस. अधिकारी, हरियाणा डॉ. दिनेश कुमार भी उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी पवन जिंदल ने अपने संबोधन में कहा कि भारत देश ऋषि-मुनियों का देश है, जिसको

स्वयंसेवकों ने जाना एक-दूसरे की संस्कृति को

राष्ट्रीय एकता शिविर में भारत के विभिन्न राज्यों से आए स्वयंसेवकों ने एक-दूसरे की संस्कृति, वेशभूषा और भाषा को जाना है, जिससे वे अपने अंदर अनुशासन, व्यक्तित्व विकास, समाज सेवा जैसे गुणों को पैदा कर समाज की कुरीतियों से लड़कर उत्थान करने का काम करें। राष्ट्रीय एकता शिविर में स्वयंसेवकों ने छोटे भारत के स्लोगन की झलक भी दिखाई है, जोकि अनेकता में एकता का प्रतीक है। साथ ही कैप में नारी शक्ति, जय जवान जय किसान के स्लोगनों को भी चरितार्थ किया गया, जोकि देश की अखंडता व एकता को दर्शाता है।

संस्कृति बलिदान और त्याग से मिलकर बनी है। ऋषि-मुनि व संत जो भगवा रंग के वस्त्र पहनते हैं वह लाल और पीले रंग से मिलकर बना है, जो बलिदान व त्याग के परिचायक हैं।

महान विचारक स्वामी दयानंद जैसे महान विभूतियों ने मानवता का पालन कर समाज को सुधारने का काम किया अर्थात् इस राष्ट्रीय एकता शिविर के माध्यम से स्वयंसेवकों को समाज और स्वयं में सुधार लाने की जरूरत

है ताकि हम समाज के प्रति अपने दायित्वों को, वासुदेव कुंडुम्बकम की भावना को व्यापकता तरीके से समझकर समाज के उत्थान में अपना सहयोग दे सकेंगे। उन्होंने बताया कि आज के युवाओं को निःस्वार्थ भाव से सेवा करने, समाज में भाईचारा कायम करने व एक-दूसरे की संस्कृति का सम्मान करने का पाठ पैदा करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत देश को फिर से विश्व गुरु बनाने की जरूरत है।

निःस्वार्थ भाव, भाईचारा व एक-दूसरे की संस्कृति का सम्मान करने से बनेगा मजबूत भारत : प्रो. बी.आर. काम्बोज

कुलपति बी.आर. काम्बोज ने कहा कि आत्म निर्भर भारत विषय पर आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना का मुख्य उद्देश्य समाज और स्वयं में सुधार लाना है। स्वयंसेवक समाज के प्रति अपने दायित्वों को, वासुदेव कुंडुम्बकम की भावना को व्यापकता में समझने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि भारत जैसे बड़े लोकतांत्रिक देश को जानने के लिए व अनेकता में एकता के सूत्र को समझने में इस शिविर का अहम योगदान होगा। इस शिविर से विद्यार्थियों में निःस्वार्थ भाव से सेवा करने, समाज में भाईचारा कायम करने व एक-दूसरे की संस्कृति का सम्मान करने का भाव पैदा करती है। युवा अधिकारी देशराज ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि हकीम की एन.एस.एस. इकाई द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर किए गए बेहतरीन प्रदर्शन कर रही है। उन्होंने बताया कि अलग-अलग राज्यों से आए स्वयंसेवकों के पास राष्ट्रीय एकता शिविर वह मंच है, जिसमें वे खेलकूद सहित सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से अपने राज्यों की पारंपरिक वेशभूषा से लेकर संस्कृति से जुड़ेंगे।

डॉ. दिनेश कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय एकता शिविर एक ऐसा मंच है, जिससे स्वयंसेवकों को सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। अगर समाज में परिवर्तन व सुधार लाना चाहते हैं तो पहले स्वयं में बदलाव लाना होगा। उन्होंने युवाओं को अपनी ऊर्जा का सही दिशा में प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया।

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल दीगड़ा ने सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर में आयोजित होने वाली भाषण, कविता, वाद-विवाद, सोलो डांस, स्लोगन राईटिंग, ग्रुप डांस, रंगोली आदि प्रतियोगिताओं की रूपरेखा की विस्तृत जानकारी दी। मंच का संचालन स्वयंसेवक अंकित ने किया। इससे पूर्व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस के पाहुजा ने सभी का स्वागत किया, जबकि डॉ. चंद्रशंकर डामर ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रारित किया। इस दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना अवाड़ी डॉ. भगत सिंह सहित अन्य अधिकारीगण, कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
अज्ञात समाचार

दिनांक
20-7-23

पृष्ठ संख्या
6

कॉलम
6-8

समाज के प्रति अपने दायित्वों व वसुदेव कुटुम्बकम की भावना को अपनाते हुए कार्य करें स्वयंसेवक : पवन जिंदल

हिसार, 19 जुलाई (विश्व कर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में आज (19) का अमृत महोत्सव के तहत आज सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर का शुभारंभ हुआ, जिसमें मुख्यातिथि वरिष्ठ समाजसेवी पवन जिंदल रहे, जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम में युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, नई दिल्ली से देशराज व राज एनएसएस अधिकारी, हरियाणा डॉ. दिनेश कुमार भी उपस्थित रहे।

मुख्यातिथि वरिष्ठ समाजसेवी पवन जिंदल ने अपने संबोधन में कहा कि भारत देश ऋषि-मुनियों का देश है, जिसकी संस्कृति बलिदान और त्याग से मिलकर बनी है। ऋषि-मुनि व संत जो अतीव रंग के वस्त्र पहनते हैं वह लाल और पीले रंग से मिलकर बना है, जो बलिदान व त्याग के परिचायक है। महान विचारक स्वामी दयानंद जैसे महान विभूतियों ने मानवता का पालन कर समाज को सुधारने का काम किया अर्थात् इस राष्ट्रीय एकता शिविर के माध्यम से स्वयंसेवकों को समाज और स्वयं में सुधार लाने की जरूरत है ताकि हम समाज के प्रति अपने दायित्वों को, वसुदेव कुटुम्बकम की भावना को व्यापकता तरीके से समझकर समाज के अन्धान में अपना सहयोग दे सकेंगे। उन्होंने बताया कि आज के युवाओं को निस्वार्थ भाव से सेवा करने, समाज में भाईचारा कायम करने व एक-दूसरे की संस्कृति का सम्मान करने का भाव पैदा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत देश को फिर से विश्व गुरु बनाने की जरूरत है।

निस्वार्थ भाव, भाईचारा व एक-दूसरे की संस्कृति का सम्मान करने से बनेगा मजबूत भारत: प्रो. बी.आर. काम्बोज

कुलपति बी.आर. काम्बोज ने कहा कि आर्य निर्भर भारत विषय पर आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना का मुख्य उद्देश्य समाज और स्वयं में सुधार लाना है। स्वयंसेवक समाज के प्रति अपने दायित्वों को, वसुदेव कुटुम्बकम की भावना को व्यापकता में समझने में मदद मिलेगी। युवा अधिकारी देशराज ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि एकुवि को एनएसएस इकाई द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर किए गए



राष्ट्रीय एकता शिविर कार्यक्रम में एनएसएस गीत के समय मंच पर उड़े मुख्यातिथि सहित अन्य अधिकारीगण।

बेहतरीन प्रदर्शन कर रही है। डॉ. दिनेश कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय एकता शिविर एक ऐसा मंच है, जिससे स्वयंसेवकों को सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। अगर समाज में परिवर्तन व सुधार लाना चाहें हैं तो पहले स्वयं में बदलाव लाना होगा। उन्होंने युवाओं को अपनी ऊर्जा का सही दिशा में प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अशुल दोगड़ा ने सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर में आयोजित होने वाली भाषण, कविता, वाद-विवाद, सोलेंडर, स्लोगन राईटिंग, गुप डांस, रोलेली आदि प्रतियोगिताओं की रूपरेखा की विस्तृत जानकारी दी। मंच का संचालन स्वयंसेवक अंकित ने किया। इससे पूर्व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहवा ने सभी का स्वागत किया, जबकि डॉ. चंद्रशेखर झागर ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्यातिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया, जिसके बाद स्वयंसेवकों ने राष्ट्रीय सेवा योजना का गीत गाया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|------------|--------------|------|
| उमर उजाला | 20-07-2023 | 3 | 3-7 |

स्वयंसेवक को खुद में सुधार लाने की जरूरत : जिंदल

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कृषि महाविद्यालय सभागार में राष्ट्रीय एकता शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि समाजसेवी पवन जिंदल ने किया। जिंदल ने कहा कि स्वामी दयानंद ने मानवता का पालन कर समाज को सुधारने का काम किया। शिविर के माध्यम से स्वयंसेवकों को समाज और स्वयं में सुधार लाने की जरूरत है।



एचएयू में मुख्य अतिथि पवन जिंदल को पौधा भेंट करते कुलपति प्रो. कांबोज। संवाद

उन्होंने कहा कि युवाओं को निस्वार्थ भाव से सेवा करने, समाज में भाईचारा कायम करने व एक-दूसरे की संस्कृति का

सम्मान करने का भाव पैदा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत देश को फिर से विश्व गुरु बनाने की जरूरत है। कुलपति

एचएयू में 17 प्रदेशों के 200 स्वयंसेवक शिविर में पहुंचे

प्रो. बीआर कांबोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। युवा कार्यक्रम नई दिल्ली से देशराज, राज्य एनएसएस अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार भी उपस्थित रहे। इस मौके पर युवा अधिकारी देशराज, डॉ. दिनेश कुमार, छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढोंगड़ा, डॉ. एसके पाहुजा, डॉ. चंद्रशेखर डागर, डॉ. भगत सिंह, अंकित आदि मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|------------|--------------|------|
| सच कहें | २०-०७-२०२३ | ५ | १-६ |

समाज के प्रति वासुदेव कुटुम्बकम् की भावना को अपनाते हुए कार्य करें स्वयंसेवक: जिंदल

राष्ट्रीय एकता शिविर का शुभारंभ, 17 प्रदेशों के 200 स्वयंसेवक ले रहे हैं भाग

सच कहें/ श्याम सुन्दर सरदाना

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महानिदेशालय सभागार में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर का शुभारंभ हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी पवन जिंदल रहे, जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम में युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय



सभागार में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाज सेवी पवन जिंदल संबोधित करते हुए।

सेवा योजना, नई दिल्ली से देशराज व राज्य एनएसएस अधिकारी, हरियाणा डॉ. दिनेश कुमार भी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी पवन जिंदल ने अपने संबोधन में कहा कि

भारत देश ऋषि-मुनियों का देश है, जिसकी संस्कृति बलिदान और त्याग से मिलकर बनी है। ऋषि-मुनि व संत जो भगता रंग के वस्त्र पहनते हैं वह लाल और पीले रंग से मिलकर बना

है, जो बलिदान व त्याग के परिचायक है। महान विचारक स्वामी दयानंद जैसे महात्मा विपुलियों ने मानवता का पालन कर समाज को सुधारने का काम किया अर्थात इस राष्ट्रीय एकता शिविर के

भाईचारा व एक-दूसरे की संस्कृति का सम्मान करने से बनेगा मजबूत भारत: प्रो. बी.आर. काम्बोज

कुलपति बी.आर. काम्बोज ने कहा कि आत्म निर्भर भारत विषय पर आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना का मुख्य उद्देश्य समाज और स्वयं में सुधार लाना है। स्वयंसेवक समाज के प्रति अपने दायित्वों को, वासुदेव कुटुम्बकम् की भावना को व्यापकता में समझने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि भारत जैसे बड़े लोकतांत्रिक देश को जानने के लिए व अनेकता में एकता के सूत्र को समझने में इस शिविर का अहम योगदान होगा। इस शिविर से विद्यार्थियों में निःस्वार्थ भाव से सेवा करने, समाज में भाईचारा कायम करने व एक-दूसरे की संस्कृति का सम्मान करने का भाव पैदा करती है।

माध्यम से स्वयंसेवकों को समाज और स्वयं में सुधार लाने की जरूरत है ताकि हम समाज के प्रति अपने दायित्वों को, वासुदेव कुटुम्बकम् की भावना को व्यापकता तरीके से समझकर समाज के उत्थान में अपना सहयोग दे सकेंगे। उन्होंने बताया कि

आज के युवाओं को निःस्वार्थ भाव से सेवा करने, समाज में भाईचारा कायम करने व एक-दूसरे की संस्कृति का सम्मान करने का भाव पैदा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत देश को फिर से विश्व गुरु बनाने की जरूरत है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|------------|--------------|------|
| देशिय भास्कर | 20-07-2023 | 4 | 5-7 |

हकृवि का नूंह जिले में नया कृषि विज्ञान केन्द्र खुलेगा, मुख्यमंत्री ने किया शिलान्यास

पैदावार बढ़ाने के लिए वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन में मिलेंगी सुविधाएं

भास्कर न्यूज़ | हिंसर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के तत्वावधान में एक नया कृषि विज्ञान केन्द्र जिला नूंह में खुलेगा। नूंह के गांव छपेड़ा में करीब 30 एकड़ भूमि में कृषि विज्ञान केन्द्र, नूंह का प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने शिलान्यास किया। इस मौके पर चीफ प्रिंसिपल सेक्रेटरी डी.एस. डेसी व हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज भी उपस्थित रहे। इस कृषि विज्ञान केन्द्र से हरियाणा में स्थित विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्रों की संख्या बढ़कर 20 हो गई है। मुख्यमंत्री ने हकृवि की इस पहल की प्रशंसा की। उन्होंने कहा प्रदेश का यह क्षेत्र कृषि के लिए उपयुक्त प्राकृतिक संसाधनों की कमी के कारण बहुत पिछड़ा हुआ है। यहां



शिलान्यास समारोह के दौरान मौजूद चीफ प्रिंसिपल सेक्रेटरी डी.एस. डेसी व कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व अन्य अधिकारीगण।

किसानों की आमदनी प्रदेश के अन्य क्षेत्रों की तुलना में बहुत कम है। उन्होंने कहा कि इस कृषि विज्ञान केन्द्र के खुलने से यहां के किसानों को कृषि से अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विशेषज्ञों का मार्गदर्शन मिल सकेगा। उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों से इस क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों व किसानों की जरूरतों के अनुसार अनुसंधान कर उन्नत

कृषि तकनीक किसानों को उपलब्ध करवाने का आह्वान किया। उद्घाटन समारोह के बाद कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, छपेड़ा के इंचार्ज डॉ. उमेश कुमार शर्मा के साथ कृषि विज्ञान केन्द्र फार्म का भ्रमण किया और छपेड़ा गांव में आयोजित एक कार्यक्रम में उपस्थित किसानों को संबोधित किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|-----------|--------------|------|
| उमर डेजल | 20-3-2023 | 2 | 8 |

एचएयू का 20वां कृषि
विज्ञान केंद्र नूंह के
छपेड़ा में खुलेगा

हिसार। चौधरी चरणसिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के तत्वावधान में नूंह में नया कृषि विज्ञान केंद्र जिला नूंह में खुलेगा। नूंह के गांव छपेड़ा में करीब 30 एकड़ भूमि में बनने वाला केंद्र एचएयू का प्रदेश में 20वां कृषि विज्ञान केंद्र होगा। प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने इस केंद्र का शिलान्यास किया।

कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह एवं कृषि विज्ञान केंद्र, छपेड़ा के इंचार्ज डॉ. उमेश कुमार शर्मा के साथ कृषि विज्ञान केंद्र फार्म का भ्रमण किया। केंद्र से मिट्टी-पानी जांच, विस्तार गतिविधियां, प्रशिक्षण कार्यक्रम, उन्नत किस्मों व तकनीकों का प्रदर्शन, बीज उत्पादन की गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। ब्यूरो



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|------------|--------------|------|
| दैनिक हिंदूस्तान | 20-07-2023 | 4 | 2 |

हकूवि का नूह में खुलेगा नया कृषि विज्ञान केंद्र

हिसार 19 जुलाई (एए)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के तत्वावधान में एक नया कृषि विज्ञान केंद्र जिला नूह में खुलेगा। नूह के गांव छपेड़ा में करीब 30 एकड़ भूमि में कृषि विज्ञान केन्द्र, नूह का प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने शिलान्यास किया। इस मौके पर चीफ प्रिंसिपल सेक्रेटरी डी.एस. देसी व चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज भी उपस्थित रहे। इस कृषि विज्ञान केन्द्र से हरियाणा में स्थित विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्रों की संख्या बढ़कर 20 हो गई है। मुख्यमंत्री ने हकूवि की इस पहल की प्रशंसा की। उन्होंने कहा प्रदेश का यह क्षेत्र कृषि के लिए उपयुक्त प्राकृतिक संसाधनों की कमी के कारण कृषि में बहुत पिछड़ा हुआ है।

यहां किसानों की आमदनी प्रदेश के अन्य क्षेत्रों की तुलना में बहुत कम है। उन्होंने कहा इस कृषि विज्ञान केन्द्र के खुलने से यहां के किसानों को कृषि से अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विशेषज्ञों का मार्गदर्शन मिल सकेगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|------------|--------------|------|
| पांच बजे न्यूज | 19.07.2023 | -- | -- |

बलिदान और त्याग से मिलकर बनी है भारत देश की संस्कृति : पवन जिंदल

पंच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में आजकरी वर अपन महोत्सव के तहत आज सप्त दिवसीय राष्ट्रीय एकादश दिवस का शुभारंभ हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. अरविंद शर्मा समाजसेवी पवन जिंदल रहे, जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्री. श्रीराम चरणोदय ने वरपरक्रम की अध्यक्षता की। वरपरक्रम में सुक वरपरक्रम और खेल प्रकलय, राष्ट्रीय सेवा योजना, नई दिल्ली से देशराज व इन एनएनएन अधिपरी, वरपरक्रम डॉ. दिनेश कुमार भी उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि डॉ. अरविंद शर्मा समाजसेवी पवन जिंदल ने अपने संबोधन में कहा कि भारत को प्रति-पुनियों का देश है, जिसकी संस्कृति बलिदान और त्याग से मिलकर बनी है। प्रति-पुनिय व से जो भाग्य रंग के खरक पतनते हैं वह लस और पीले रंग से मिलकर आा हैं, जो बलिदान व त्याग के परिणामक



के प्रथम विश्वनाक लखी दुधानंद जैसे महान विभूतियों ने मननवत वर फलन कर समाज की सुधारने का वरक किया अर्थात इस राष्ट्रीय एकादश दिवस के प्रथम से स्वपरसेवकों को समाज और स्वयं में सुधार खने की जरूरत है तकि इस समाज के प्रति अपने दायित्वों को, स्वतुके वरुण्यक्रम की भवना को व्यपकात तरीके से समझकर

समाज के उन्नयन में अपना सहयोग दे सकेंगे। उन्होंने अरुपाकि आज के युवकों को निःस्वार्थ भाव से सेवा करने, समाज में भईचर वरकम करने व एक-दुारे की संस्कृति वर समान करने का भाव पैदा करनी चाहिए। उन्होंने कहाकि भारत देश को वर से विश्व गुरु बनाने की जरूरत है। कुलपति प्रो. श्रीराम चरणोदय ने कहा कि

अन्य विधर भारत विश्व पर आरोपित राष्ट्रीय एकादश दिवस भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना वर मुख्य उद्येय समाज और स्वयं में सुधार खाना है। स्वपरसेवकों समाज के प्रति अपने दायित्वों को, स्वतुके वरुण्यक्रम की भवना को व्यपकात में समझने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहाकि भारत जैसे बड़े लोकतांत्रिक देश को खाने के लिए व अनेकात में एकादश के सूत्र को समझने में इस दिवस का अरुम योगदान वायम करने व एक-दुारे की संस्कृति वर समान करने का भाव पैदा करनी है। सुक अधिपरी देशराज ने स्वपरसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि कुरुषु की एनएनएन इकाई द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर लिए गए केरतिन प्रदर्शन का की है। उन्होंने विश्वविद्यालय के अतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधर और आरुविधर भारत में योगदान के लिए सरलना की। उन्होंने कहाकि वि

अरुम-अलग कर्तों से आरु स्वपरसेवकों के एन राष्ट्रीय एकादश दिवस का मंत्र है, जिसमें वे खेलकुद सहित सांस्कृतिक वरपरक्रमों के प्रथम से अपने कर्तों की पुरैकिक व्येभूष से लेकर संस्कृति से सुवैगित। दिनेश कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय एकादश दिवस एक ऐसा मंत्र है, जिससे स्वपरसेवकों को सवशरतका ऊर्जा मिलती है। अरु समाज में परिकरन व सुधार खाना चाहते हैं वे पहले स्वयं में बदलाव खाना होगा। उन्होंने युवकों को अपनी कर्तों का सरी दिरल में प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया।

उरु वरुण्यक्रम निदेशक डॉ. अतुल शैगड़ ने सप्त दिवसीय राष्ट्रीय एकादश दिवस में आरोपित होने वाली भाग्य, वरकित, वरु-शुकर, सोने उरु, सलेम खुरींग, धूप उरु, रींगली अरुि प्रतिपौरिताओं की खरुणा की वरिगत खानवारी की। मंत्र वर संकलन स्वपरसेवकों अधिगत ने किया। इससे पूर्व कृषि महाविद्यालय के अधिपति डॉ. एन के पट्टन ने सभी का वरकात किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|---------|--------------|------|
| दिनांक 20-7-23 | 20-7-23 | 4 | 7-8 |

**मानसून के बाद मक्का की एचएम
और एचक्यूपीएम किस्में लगाएं**
पौधे से पौधे की दूरी 20 सेंटीमीटर रखना जरूरी

भास्कर न्यूज | हिसार

मानसून के बाद संकर मक्का की बिजाई 20 जुलाई तक पूरी कर लें। एचएचएम-1, एचएचएम-2, एचएम-4, एचएम-5, एचएम-10, एचएम-11, एचक्यूपीएम 1, एचक्यूपीएम 5, एचक्यूपीएम 4 किस्मों का बीज ही बोएं।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि मक्का की बिजाई कतारों में 75 सेंटीमीटर की दूरी पर कर लें। बिजाई के 10 दिन बाद फालतू पौधे निकालकर पौधे से पौधे की दूरी 20 सेंटीमीटर रखें। बीज की गहराई 3 से 5 सेंटीमीटर हो।

साधारणतया 8.0 किलोग्राम बीज प्रति एकड़ बिजाई के लिए काफी होता है। मक्की में खरपतवारों को कल्टीवेटर, व्हील हेंड या खुरपे या कसोले से निराई करके या खरपतवारनाशकों से नष्ट किया जा सकता है। बिजाई के तुरंत बाद 400-600 ग्राम एट्राजीन 50 प्रतिशत घुपा प्रति एकड़ 250 लीटर पानी में मिलाकर छिड़कें। खरपतवारों के नियंत्रण के लिए टैम्बोटायोन लोडिस 34.4 प्रतिशत का 115 मिली. तैयार मिश्रण 400 मिली चिपचिपे पदार्थ को 200 लीटर पानी में घोलकर बिजाई के 10-15 दिन बाद या खरपतवार की 2-3 पत्ती की अवस्था पर प्रति एकड़ छिड़कें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|------------|--------------|------|
| देशक आसुर | २०-०७-२०२३ | ५ | १-६ |

भास्कर खास • देसी कपास में खाद डालने की जरूरत नहीं, बीटी कॉटन में एक बैग यूरिया का छिड़काव आवश्यक कपास में थ्रिप्स, सफेद मक्खी व हरा तेला का जुलाई में बढ़ जाता है प्रकोप, नीम आधारित कीटनाशक और प्लॉनिकामिड उलाला का छिड़काव करें

भास्कर न्यूज | हिंसर

बरसात के बाद कपास में निराई-गुड़ाई करें। बिजाई के समय डीएपी डाल दिया है तो अच्छी बारिश के बाद बीटी कॉटन में एक बैग यूरिया का छिड़काव करें। बिजाई के समय डीएपी नहीं डाला है तो अच्छी बरसात के बाद डीएपी की बिजाई करें। देसी कपास में खाद डालने की आवश्यकता नहीं है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि फसल में एनपीके इत्यादि का छिड़काव भी

बिजाई के 100 दिन बाद ही करें। जुलाई में कपास की फसल में थ्रिप्स, चुरड़ा, सफेद मक्खी व हरे तेला का भी प्रकोप हो जाता है। 60 दिनों से कम अवधि की फसल में थ्रिप्स संख्या यदि 30 थ्रिप्स प्रति 3 पत्ता मिले तो नीम आधारित कीटनाशक का प्रयोग करें। सफेद मक्खी यदि 6-8 प्रौढ़ प्रति पत्ता एवं हरा तेला 2 शिशु प्रति पत्ता मिले तो प्लॉनिकामिड उलाला 50 डब्लू जी की 60 ग्राम मात्रा प्रति 200 लीटर पानी की दर से एक छिड़काव करें।

गुलाबी सुंडी से बचाव के लिए यह करें

कपास अनुभाग के प्रभारी डा. करमल सिंह मलिक ने बताया कि गुलाबी सुंडी की निगरानी के लिए 2 फेरोमोन ट्रेप प्रति एकड़ लगाए तथा इनमें फंसने वाले सुंडी के पतंगों को 3 दिनों के अंतराल पर गिनती करें। जून से मध्य अगस्त तक यदि इनमें कुल 12-15 पतंगें प्रति ट्रेप तीन दिनों में आते हैं तो कीटनाशक के छिड़काव की आवश्यकता है। फसल 60 दिनों के होने के बाद तथा गुलाबी सुंडी का प्रकोप फसलीय भागों पर 5-10 प्रतिशत होने पर एक छिड़काव प्रोफेनोफोस क्यूरैक्रोन/सेल्लेक्रोन/वैरिन 50 ईसी की 3 मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से करें।



हरियाणा कृषि विवि के फार्म में कपास की फसल।

पैराविल्ट के लक्षण मिलने पर कोबाल्ट ग्लोराइड के घोल का छिड़काव करें किसानों को पैराविल्ट के लक्षण दिखाई दें तो 24 से 48 घंटों के अंदर 2 ग्राम कोबाल्ट ग्लोराइड 200 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। जीवाणु अंगमारी रोग के लिए किसान 6 से 8 ग्राम स्ट्रेप्टोसाक्लीन और 600 से 800 ग्राम कोपर ऑक्सिक्लोराइड को 150 से 200 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ 15 से 20 दिन के अंतराल पर दो से तीन छिड़काव करें। जड़ गलन बीमारी से सूखे हुए पौधों को खेत में से उखाड़ कर जमीन में दबा दें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|------------|--------------|------|
| हैलो हिसार | 19.07.2023 | -- | -- |

समाज के प्रति अपने दायित्वों व वसुधैव कुटुंबकम की भावना को अपनाते हुए कार्य करें स्वयंसेवक : पवन जिंदल

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आज सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर का शुभारंभ हुआ,

राष्ट्रीय एकता शिविर का शुभारंभ, 17 प्रदेशों के 200 स्वयंसेवक ले रहे हैं भाग

जिसमें मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी पवन जिंदल रहे, जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम में युवा कार्यक्रम और

खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, नई दिल्ली से देशराज व राज्य एनएसएस अधिकारी, हरियाणा डॉ. दिनेश कुमार भी उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी पवन जिंदल ने अपने संबोधन में कहा कि भारत देश ऋषि-मुनियों का देश है, जिसकी संस्कृति बलिदान और त्याग से मिलकर बनी है। ऋषि-मुनि व संत जो भगवा रंग के वस्त्र पहनते हैं वह लाल और पीले रंग से मिलकर बना है, जो बलिदान व त्याग के परिचायक हैं। महान विचारक स्वामी दयानंद जैसे महान विभूतियों ने मानवता का पालन कर समाज



को सुधारने का काम किया अर्थात इस राष्ट्रीय एकता शिविर के माध्यम से स्वयंसेवकों को समाज और स्वयं में सुधार लाने की जरूरत है ताकि हम समाज के प्रति अपने दायित्वों को, वसुधैव कुटुंबकम की भावना को व्यापकता तरीके से समझकर समाज के उत्थान में अपना

सहयोग दे सकेंगे। उन्होंने बताया कि आज के युवाओं को निःस्वार्थ भाव से सेवा करने, समाज में भाईचारा कायम करने व एक-दूसरे की संस्कृति का सम्मान करने का भाव पैदा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत देश को फिर से विश्व गुरु बनाने की जरूरत है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|------------|--------------|------|
| हैलो हिसार | 20.07.2023 | -- | -- |

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का जिला नूंह में खुलेगा नया कृषि विज्ञान केन्द्र

हिसार, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के तत्वावधान में एक नया कृषि विज्ञान केन्द्र जिला नूंह में खोला गया है। नूंह के गांव छपेड़ा में करीब 30 एकड़ भूमि में कृषि विज्ञान केन्द्र, नूंह का प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने शिलान्यास किया। इस मौके पर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज भी उपस्थित रहे। इस कृषि विज्ञान केन्द्र से हरियाणा में स्थित विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्रों की संख्या बढ़कर 20 हो गई है। मुख्यमंत्री ने हकूवि की इस पहल की प्रशंसा की। उन्होंने कहा प्रदेश का यह क्षेत्र कृषि के लिए उपयुक्त प्राकृतिक

संसाधनों की कमी के कारण कृषि में बहुत पिछड़ा हुआ है। यहां किसानों की आमदनी प्रदेश के अन्य क्षेत्रों की तुलना में बहुत कम है। उन्होंने कहा इस कृषि विज्ञान केन्द्र के खुलने से यहां के किसानों को कृषि से अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विशेषज्ञों का मार्गदर्शन मिल सकेगा। उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों से इस क्षेत्र की भूगोलिक परिस्थिति व किसानों की जरूरतों के अनुसार अनुसंधान कर उन्नत कृषि तकनीक किसानों को उपलब्ध करवाने का आह्वान किया। उद्घाटन समारोह के बाद कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ.

**मुख्यमंत्री मनोहर
लाल ने किया
शिलान्यास**

बलवान सिंह एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, छपेड़ा के इंचार्ज डॉ. उमेश कुमार शर्मा के साथ कृषि विज्ञान केन्द्र फार्म का भ्रमण किया और छपेड़ा गांव में आयोजित एक कार्यक्रम में उपस्थित किसानों को संबोधित किया। उन्होंने कहा नवस्थापित कृषि विज्ञान केन्द्र से विभिन्न कार्यक्रमों जैसे मिट्टी-पानी जांच, विस्तार गतिविधियां, प्रशिक्षण कार्यक्रम, उन्नत किस्मों व तकनीकों का प्रदर्शन, बीज उत्पादन व किसानों की आय उपार्जन संबंधित विभिन्न गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।





**चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय**

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|------------|--------------|------|
| नभ छोर | 19.07.2023 | -- | -- |

नूंह में नए कृषि विज्ञान केन्द्र का सीएम ने किया शिलान्यास

नभ-छोर न्यूज 19 जुलाई

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के तत्वावधान में एक नया कृषि विज्ञान केन्द्र जिला नूंह में खुलेगा। नूंह के गांव छपेड़ा में करीब 30 एकड़ भूमि में कृषि विज्ञान केन्द्र, नूंह का प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने शिलान्यास किया। इस मौके पर चीफ प्रिंसिपल सेक्रेटरी डीएस डेसी व चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज भी उपस्थित रहे। इस कृषि विज्ञान केन्द्र से हरियाणा में स्थित विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्रों की संख्या बढ़कर 20 हो गई है। उन्होंने कहा प्रदेश का यह क्षेत्र कृषि के लिए उपयुक्त प्राकृतिक संसाधनों की कमी के कारण कृषि में बहुत पिछड़ा हुआ है। यहां किसानों की आमदनी प्रदेश के अन्य क्षेत्रों की तुलना में बहुत कम है। उन्होंने कहा इस कृषि विज्ञान केन्द्र के खुलने से यहां के किसानों को कृषि से अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विशेषज्ञों का मार्गदर्शन मिल सकेगा। कुलपति प्रो. काम्बोज ने विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, छपेड़ा के इंचार्ज डॉ. उमेश कुमार शर्मा के साथ कृषि विज्ञान केन्द्र फार्म का भ्रमण किया और छपेड़ा गांव में आयोजित एक कार्यक्रम में उपस्थित किसानों को संबोधित किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनांक

पृष्ठ संख्या

कॉलम

समस्त हरियाणा

19.07.2023

--

--

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का जिला नूंह में खुलेगा नया कृषि विज्ञान केन्द्र

समस्त हरियाणा न्यूज
हिसार, 19 जुलाई। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के उल्काखान में एक नया कृषि विज्ञान केन्द्र जिला नूंह में खुलेगा। नूंह के गांव छपेटड़ा में करीब 30 एकड़ भूमि में कृषि विज्ञान केन्द्र, नूंह का प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने शिलान्यास किया। इस मौके पर शीफ प्रिंसिपल सेक्टर टी.एम. डेमी हरियाणा सरकार व चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज भी उपस्थित रहे। इस कृषि विज्ञान केन्द्र से हरियाणा में विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रों की संख्या बढ़कर 20 हो गई है।

मुख्यमंत्री ने हकूफि की इस पहल की प्रशंसा की। उन्होंने कहा प्रदेश का यह क्षेत्र कृषि के लिए उपयुक्त प्राकृतिक संसाधनों की कमी के कारण कृषि में बहुत पिछड़ा हुआ है। यहां किसानों की आमदनी प्रदेश के अन्य क्षेत्रों की तुलना में बहुत कम है। उन्होंने कहा इस कृषि विज्ञान केन्द्र के खुलने से यहां के किसानों को कृषि से अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विशेषज्ञों का मार्गदर्शन मिल सकेगा। उन्होंने भूगोलीक परिस्थिति व किसानों की जरूरतों के

अनुसार अनुसंधान कर उन्नत कृषि तकनीक किसानों को उपलब्ध करवाने का आह्वान किया। उद्घाटन समारोह के बाद कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विस्तर शिक्षा विदेशक डॉ. बलवान सिंह एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, छपेटड़ा के इंचार्ज डॉ. उमेश कुमार शर्मा के साथ कृषि विज्ञान केन्द्र फार्म का भ्रमण किया और छपेटड़ा गांव में आयोजित एक कार्यक्रम में उपस्थित किसानों को संबोधित किया। उन्होंने कहा लक्ष्यसहित कृषि विज्ञान केन्द्र से विभिन्न कार्यक्रमों जैसे मिट्टी-पानी जांच, विस्तर गतिविधियां, प्रशिक्षण कार्यक्रम, उन्नत किस्मों व तकनीकों का



प्रदर्शन, बीज उत्पादन व किसानों को साथ तालमेल बढ़ाने का आह्वान किया। आय उपार्जन संबंधित विभिन्न गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने टनडरी आदि आसपास के गांवों के क्षेत्र के किसानों से कृषि विज्ञान केन्द्र के किसान भी मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनांक

पृष्ठ संख्या

कॉलम

समस्त हरियाणा

19.07.2023

--

--

एच.ए.यू. में राष्ट्रीय एकता शिविर का शुभारंभ, 17 प्रदेशों के 200 स्वयंसेवक ले रहे हैं भाग



समस्त हरियाणा मुक्त हिसार, 19 जुलाई। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय परिसर में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आज यहां विभागीय राष्ट्रीय एकता शिविर का शुभारंभ हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि तंत्रिका सहायकमंत्री जयन विंदल रहे, जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जी.आर. कान्हेज ने कार्यक्रम को अगुवाता की। कार्यक्रम में युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, नई दिल्ली से देवराज व राज्य एग्रेसिव्स अधिकारी, हरियाणा डॉ. दिलेश कुमार भी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि तंत्रिका सहायकमंत्री जयन विंदल ने अपने संबोधन में कहा कि भारत देश खी-पुर्णों का देश है, जिसकी संस्कृति अविनाश और स्वयं से मिलकर बनी है। खी-पुर्ण व संघ को भारत रंग के साथ पारने ही यह लक्ष्य और नीति रंग से मिलकर बने है, जो अविनाश व स्वयं से परिणामक है। भारत विश्वक मानी उपरान्त जैसे भारत विपुलीयों ने सत्यता का पालन कर भारत को सुलझे का काम किया अतएव इस राष्ट्रीय एकता शिविर के माध्यम से स्वयंसेवकों को सतार और स्वयं से सुलझ लाने की जरूरत है तकि इस सतार के प्रति अपने दालियों को, समुचित कुटुंबका को भयका को अगुवाता तकि से सतारका सतार के उभारन में अगुवा सतारण से सतारने। उन्होंने बताया कि आज

के पुलाओं को विपुल्यं भय से सेक करने, सतार में भौचका करण करने व एक-दुसरे की संस्कृति का सम्मान करने का भय फिट करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत देश को फिर से विश्व गुरु बनाने की जरूरत है।
विभागीय भय, भागीदारा व एक-दुसरे की संस्कृति का सम्मान करने से सतार परजकूत भारत : प्रो. जी.आर. कान्हेज कुलपति जी.आर. कान्हेज ने कहा कि आज विश्व भारत विपण या आर्थीका राष्ट्रीय एकता शिविर भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना का सुलझ उदरक सतार और स्वयं से सुलझ लता है। स्वयंसेवक सतार के प्रति अपने दालियों को, समुचित कुटुंबका को भयका को अगुवाता में सतारने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि भारत जैसे बड़े लोकतांत्रिक देश को जलने के लिए व अविनाश में एकता के पुन को सम्मान में इस शिविर का अगुवा सतारण होगा। इस शिविर से विश्वविद्यालय में विपुल्यं भय से सेक करने, सतार में भौचका करण करने व एक-दुसरे की संस्कृति का सम्मान करने का भय फिट करनी है। युवा अधिकारी देवराज ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि संस्कृति को एग्रेसिव्स इकाई द्वारा राष्ट्रीय सतार पर किए गए केवलीय प्रदर्शन का रही है। उन्होंने विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय सतार को सुविधाएं और आर्थीयभर भारत में सतारण

के लिए सतारण की। उन्होंने बताया कि अलग-अलग राज्यों से आए स्वयंसेवकों के साथ राष्ट्रीय एकता शिविर का संघ है, जिसमें ने खेलकुद तंत्रिका सतारणका कार्यकारी के माध्यम से अपने राज्यों की पारंपरिक केवलीय से सेक संस्कृति में जुड़े। डॉ. दिलेश कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय एकता शिविर एक ऐसा संघ है, जिसमें स्वयंसेवकों को सतारणक उपर्य मिलेगी है। आज सतार में परिचरन व सुलझ लता सतारने ही से सतारने स्वयं से सतारण लता होगा। उन्होंने पुलाओं को अपने ऊपर का सतार दिना में प्रवेश करने के लिए उचित किया। इस कार्यक्रम विंदलक डॉ. अमृत डीगण्ड ने अगुवा सतारण राष्ट्रीय एकता शिविर में आर्थीयता होने वाली भारत, कश्मिर, पार-विषय, सेनेय लता, सतारण सतारण, पण लता, सेनेय अतएव प्रतिलोकताओं को सतारण की विपुल्यता सतारणी थी। संघ का सतारण स्वयंसेवक अधिक से किया। इससे पूर्व कृषि महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. एम के चटुस ने सभी का स्वागत किया, जबकि डॉ. पंडरीकर लता ने प्रत्येक प्रसतण परति किया। इस दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना अजादी डॉ. भारत मिश्र तंत्रिका अतएव अतएव, कार्यकारी व विपुलीय उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सुलझा कुलपतिचरणी द्वारा दीग प्रतारणित का किया, जिसमें सतार स्वयंसेवकों ने राष्ट्रीय सेवा योजना का गौर लता।